(iv) CONDITIONS IN JAMSHEDPUR CITY

श्री रामावतार शास्त्री (पटना): उपाध्यक्ष महोदय, मैं नियम 377 के अधीन लोक महत्व के निम्नलिखित विषय की ओर सरकार का ध्यान दिलाता हूं:

स्वतंत्रता प्राप्ति के तैंतीस वर्ष बीत चुके। देश से जमींदारी प्रथा का भी वर्षों पहले अन्त हो चुका । फिर भी, यह लज्जा की बात है कि लौह नगर, जमशेदपुर में आज भी टाटा की जमींदारी कायम है । सन 1967 की संयुक्त मोर्चे की सरकार ने टाटा की जमींदारी को जमशेदपुर शहर से समाप्त करने का निश्चय किया था । परन्तु यह निर्णय क्रियान्वित नहीं हो सका क्यों कि टाटा की ओर से उस के विरोध में सुप्रीम कोर्ट में रिट दाखिल कर दिया गया जिस के बारे में आज तक फैसला नहीं हो सका है ।

जमशेदपुर की आबादी दिनों दिन बढ़ती जा रही है जो पांच लाख तक हो चुकी है। शहर की सम्पूर्ण व्यवस्था टाटा के नौकर शाह करते हैं । बिहार सरकार का वहां की व्यवस्था पर कोई नियंत्रण नहीं है। स्कूल, कालेज, प्राथमिक शिक्षा सभी पर टाटा का नियंत्रण है । राज्य सरकार अपने स्कूल नहीं खोल सकती। फलस्वरूप जो लोग टाटा के कारखानों में काम नहीं करते उन के बच्चों की उक्त स्कूल-कालेजों में भरती नहीं की जाती । अतः उन्हें विवश हो कर निजी स्कूलों में अधिक धन खर्च कर अपने बच्चों की शिक्षा की व्यवस्था करनी पड़ती है ।

टाटा की जमींदारी के चलते जमशेदपुर में नागरिकों के लिए चिकित्सा की भी कोई उचित व्यवस्था नहीं है । फलस्वरूप लोगों में असन्तोष का होना स्वाभाविक है ।

पांच लाख से अधिक की जनसंख्या हो जाने के बाद भी जमशेदपुर शहर को अब तक बी-2 का नगर नहीं घोषित किया गया है जिस के फलस्वरूप वहां काम कर रहे हजारों सरकारी कर्मचारियों को आवास भत्ता आदि सुविधाएं नहीं मिल रही हैं।

अतः सरकार से हमारा अनुरोध होगा कि वह जमशेदपुर को टाटा की जमींदारी के चंगुल से मुक्त कर वहां हर माने में राज्य सरकार का आधिपत्य स्थापित करे ताकि वह शिक्षा, स्वास्थ्य, नागरिक सुविधाएं आदि के बारे में उचित प्रबन्ध कर सके । सरकार से मेरा यह भी अनुरोध होगा कि वह जमशेदपुर नगर को बी-2 का दर्जा प्रदान करे ।

(v) SERIOUS SITUATION DUE TO IMPOSITION OF CAPITATION FEE IN DAYANAND MEDICAL COLLEGE AND HOSPITAL, LUDHIANA

SHRI VIJAY KUMAR YADAV (Nalanda): Serious situation has developed in Dayanand Medical College & Hospital, Ludhiana on account of Management's decision to charge capitation fee for admission to MBBS courses.

Dayanand Medical College and Hospital, Ludhiana admits 50 students every year. This year management of the Institution has decided to reserve 9 seats out of 50 for wards of Indian Nationals settled abroad. The candidates admitted against this category will have to pay $ 25000 (US Dollars) each. This decision debars students from seeking admission to the College and encourages charging of capitation fee.

The Punjab Government have not taken any notice of the statement made by the Minister of Health to the effect that the State Governments stop collection of capitation fee.

Against the decision of the management of the College there was a wide protest by the students and the management cancelled the interview for admission which was to be held on 31st July, 1980 and the college has been closed indefinitely by the management and the students are on strike from that date.

I request the Health Minister to intervene and settle the matter.